



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 54] नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 6, 1978/माघ 17, 1899
No. 54] NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 6, 1978/MAGHA 17, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1978

का. आ. 68(आ)/18 एफ. बी./आई. डी. आर. ए./78.—यतः भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 567 (अ) तारीख 18 जुलाई, 1977 द्वारा मैसर्स अलेक्जान्द्रा जूट मिल्स, लिमिटेड, कलकत्ता, (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 चक्र की उपधारा (2) के अधीन 17 जुलाई, 1982 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, पांच वर्ष की अवधि के लिये, ग्रहण कर लिया गया है।

और यतः केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम के सम्बन्ध में, अनुसूचित उद्योग, अर्थात् जूट उद्योग, में उत्पादन के परिमाण में कमी को रोकने की दृष्टि से, जन-साधारण के हितों में ऐसा करना आवश्यक है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 18 ब ख की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा यह घोषणा करती है कि इस आदेश के जारी होने की तारीख के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तांतरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखितों का (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से सम्बन्धित हैं) प्रवर्तन, जिनका उक्त औद्योगिक उपक्रम या ऐसे औद्योगिक उपक्रम का स्वामित्व रखने वाली कम्पनी एक पक्षकार है, या जो ऐसे औद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू हों, एक वर्ष की अवधि के लिये निलम्बित रहेंगे और उक्त तारीख के पूर्व उसके अधीन प्राप्तिमान या उद्भूत वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएँ और दायित्व उक्त अवधि के लिये निलम्बित रहेंगे।

[सं. फा. 3(8)/77-सी. यू. सी.]

जी.वी. रामकृष्णा, अपर सचिव,

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 6th February, 1978.

S. O. 68(E)/18FB/IDRA/78.—Whereas by the Order of the Government of India in Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. 567(E) dated the 18th July, 1977, the management of the industrial undertaking known as Messrs. Alexandra Jute Mills Limited, Calcutta (hereinafter referred to as the said industrial undertaking), has been taken over under sub-section (2) of section 18FA of the Industrial (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years upto and inclusive of the 17th July, 1982; And whereas the Central Government is satisfied that in relation to the said industrial undertaking it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing fall in the volume of production of the scheduled industry, namely, Jute Industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the said Act, the Central Government hereby declares that the operation of all contracts, assurances of property, agreements settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of this Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertaking or the company owning such industrial undertaking is a party of which may be applicable to such industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the period.

[File No. 3/8/77-CUC]

G. V. RAMKRISHNA, Addl. Secy.